घुमन्तू जाति उत्थान न्यास

परिचय

हमारी पुरातन समाज व्यवस्था में प्रत्येक बिरादरी का अपने कार्य के आधार पर सम्मानजनक स्थान रहा है मुगलों के समय अनैक पराक्रमी जातियों को लक्ष्य कर अत्याचार का शिकार बनाया गया इन जातियों ने स्वधर्म की पालना के लिए घर छोड़कर यायावर जीवन जीना स्वीकार किया अंग्रेजों ने धूर्ततापूर्वक हमारे सामाजिक ताने-बाने को ध्वस्त किया और हमारे इतिहास को विकृत कर भ्रांत धारणाओं को स्थापित करने का काम किया जिसके कारण हिंदू समाज का बहुत बड़ा स्वाभिमानी और पराक्रमी वर्ग अभिशप्त और अपमानजनक जीवन जीने के लिए विवश हो गया 1857 के स्वतंत्रता संग्राम में इन उपेक्षित यायावर जातियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया, जिसके कारण 1871 में इन घुमंतू जनजातियों को अंग्रेजों ने आपराधिक घोषित कर दिया स्वतंत्रता के पश्चात 1952 में इन घुमंतू जनजातियों को आपराधिक कहलाने के अभिशाप से मुक्ति मिली, किंतु आज भी हिंदू समाज का यह बहुत बड़ा वर्ग सम्मानजनक जीवन की प्रतीक्षा कर रहा है इन जातियों के अंदर आत्मपरिष्कार की अकुलाहट स्पष्ट दिखाई देती है आज आवश्यकता है कि हम सब मिलकर विकास की मुख्यधारा में पिछड़ गए अपने घुमंतू जाति बंधुओं को हाथ पकड़कर मुख्य धारा में सम्मिलित करें

इसी लक्ष्य को दृष्टिगत रखते हुए घुमंतू कार्य न्यास पूर्ण प्रमाणिकता के साथ अहर्निश अपने संकल्प की सिद्धि हेतु कार्यरत है

उत्थान

आइए, हम सब थोड़ा सा आगे बढ़कर प्रयास करें ताकि इनकी पहचान बन सके।

www.ghumantujatiutthannyas.org

शिक्षा एवं चिकित्सा के क्षेत्र में

छात्रावास	16
छात्र	700
बाल संस्कार केन्द्र	20

चिकित्सा प्रकल्प	5
स्वालम्बन केन्द्र	1

बाबा रामदेव छात्रावास के छात्रों के साथ चलचित्र

महादेव गुरूकुल छात्रावास बाइमेर के छात्रों के साथ चलचित्र

धोलपुर में बालसंस्कार केन्द्र में अध्ययनरत घुमन्तू बालक

चिकित्सा प्रकल्प दौसा जयपुर प्रान्त

सरकारी दस्तावेजों के क्षेत्र में

पट्टे दिलवाये	27 परिवारों को
आधार कार्ड बनवाये	2000 लोगों के
जनआधार कार्ड	5000 परिवारों के
मजदूरी कार्ड बनवाये	150 लोगों के
वोटर कार्ड बनवाये	2000 लोगों के
राशन कार्ड दिलवाये	1000 परिवारों के
जाति प्रमाण-पत्र	1000 लोगों के

मूल निवास	1200 लोगों के
ई-श्रम कार्ड	4000 लोगों के
पेंशन योजना	
वृद्धा	500 लोग
विधवा	500 महिलाऐं
विकलांग	20 लोग
प्रधानमंत्री आवास योजना	280 परिवार

JDA द्वारा आवास पट्टे वितरण जयपुर प्रान्त

राशन कार्ड, मुण्डीयारा

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत निर्माणाधीन कार्य - मूडिया रामसर, जयपुर

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत आवास निर्माण की स्वीकृति - मुडिया रामसर, जयपुर

स्वालम्बन एवं समरसता के क्षेत्र में

पालनहार योजना	50 परिवार
उज्जवला गैस योजना	1500 परिवार
जन-धन खाता	5000 लोगों के

खाद्य सुरक्षा योजना	400 परिवरों को
शौचालय स्वच्छ भारत योजना	50 परिवारों को

निम्बाराम जी क्षेत्रिय प्रचारक राजस्थान द्वारा सिलाई केन्द्र का शुभारम्भ – नगर भरतपुर

स्वालम्बन कार्यक्रम के अन्तर्गत पलास के पत्तों से पत्तल बनाने का प्रशिक्षण

टोकड़ा ग्राम, जिला – झालावाड़ के कंजर डेरे में कंजर समाज के जिलाध्यक्ष श्री कालूलाल जी के घर पर भोजन

स्वालम्बन कार्यक्रम के अन्तर्गत पलास के पत्तों से पत्तल बनाने का प्रशिक्षण

समाजिक गतिविधियां एवं प्रशिक्षण के क्षेत्र में

सेमिनार करवाये	3	जातिय सम्मेलन करवाये	2
सेमिनार करवाये	3	जातिय सम्मेलन करवाये	2

गाड़िया लुहार सम्मेलन में गाड़िया लुहार समाज के वरिष्ठजनों का सम्मान करते हुए।

घुमंतू जाति उत्थान न्यास ''ससम्मान मिलन समारोह''

घुमंतू जाति उत्थान न्यास, बांरा विभाग ???????

स्वतंत्रता की लड़ाई में घुमंतू समाज की भूमिका के विषय पर रखा गया सम्मेलन

घुमंतू जाति उत्थान न्यास का गंगापुर सिटी में किया गया 'अभ्यास वर्ग'

घुमंतू जाति उत्थान न्यास की आगामी कार्यो के विषय पर क्षेत्रिय बैठक

घुमंतू जाति उत्थान न्यास की आगामी कार्यो के विषय पर क्षेत्रिय बैठक

घुमंतू जाति उत्थान न्यास की 'जनाधिकार समिति बैठक'

विमुक्त, घुमंतू और अर्द्ध–घुमंतू समुदाय एक प्रयास विकास की ओर

विमुक्त जातियां	घुमंतू जातियां	अर्द्ध घुमंतू जातियां	जोगी, घुमंतू जातियों में शामिल को छोड़कर
• बावरी	• बालदीयाज बंजारा	• सांरगीवाला भोपा	• गिरिनाथ
• कंजर	• परधिस	• रबारी	• अजयपाल
• सांसी	• दोमाबरिस	• राठ	• अगमनाथ
• बागरीबावरिया	• गाड़िया लोहार	• मंगलियास	• नामांथ
• मोगिया	• इरानिस	• भाया	• जालंधर
• नट	• जोगी कालबेलिया	• कन्नीस	• मलानी
• नाईक	• जोगी कनकटा	• जंगलस	
• मुल्तानिस	• खुरपलटस कुलफलटस	• जालूकूस	
• भाट	• सिकलीगर घीसादि	• इानस	
		• सिन्दुलस	

जयपुर, जोधपुर, चित्तौड़ प्रान्त के आगामी लक्ष्य

चिकित्सा प्रकल्प
75 (जयपुर + जोधपुर + चित्तौड़ प्रान्त)

प्रति चिकित्सा प्रकल्प
35,000 वार्षिक

= 75 x 35,000 = 26,25,000 /-

संस्कार केन्द्र
300 राजस्थान क्षेत्र

प्रति संस्कार केन्द्र
65,000 वार्षिक

= 300 x 65,000 = 1,95,00,000 /-

सिलाई केन्द्र : 66
प्रति सिलाई केन्द्र : 35,000 वार्षिक

= 66 x 35,000 = 23,10,000 /-